इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
No. of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150
Paper Code : 02
SUBJECT : Hindi

# ST-22

## Paper-II

22 दिसम्बर 2022

प्रश्न पुस्तिका संख्या/ Question Booklet No. 2033508

समय : 02.30 घण्टे Time : 02.30 Hours

अधिकतम अंक : 300 Maximum Marks: 300

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पोलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :-

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर पत्र के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित है। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Question of Question booklet and OMR answer sheet are properly printed. All question as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. **OMR** उत्तर-पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन से** विवरण भरें।
6. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः **1, 2, 3, 4** अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से गहरा करना है।
9. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
10. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

**चेतावनी :** अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

## INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
6. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Answer Sheet. Candidate will themselves be resposnible for filling wrong Roll Number.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
9. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
10. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

**Warning :** If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair means) Act, 2022 & any other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति, परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानी पूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे। परीक्षार्थी कार्बन प्रति को अपने साथ ले जायेंगे।



20
33
508

Scanned with CamScanner

1. राजा मालदेव ने राणा हम्मीर के पास अपनी पुत्री का विवाह प्रस्ताव क्यों भेजा?
(1) रानी के हठ के कारण
(2) पुत्री की इच्छा के वशीभूत होकर
(3) भविष्य के मधुर संबंधों के लिए
(4) छल-कपट की योजनानुसार

2. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द है –
(1) सुश्रुषा
(2) शुश्रूषा
(3) शुश्रुषा
(4) सुश्रूषा

3. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?
(1) सूची
(2) चौकी
(3) सपत्नी
(4) भक्त

4. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) केदारनाथ अग्रवाल – युगांत
(2) नागार्जुन – सतरंगे पंखों वाली
(3) गिरिजाकुमार माथुर – धूप के धान
(4) त्रिलोचन – धरती

5. निम्नलिखित में प्रबंधात्मक रचना नहीं है –
(1) हिम्मतबहादुर विरुदावली (पद्माकर)
(2) छत्रप्रकाश (लालकवि)
(3) शिवराज भूषण (भूषण)
(4) सुजान चरित (सूदन)

6. देवनागरी लिपि से संबंधित है –
(1) खरोष्ठी लिपि
(2) कुटिल लिपि
(3) चित्र लिपि
(4) शारदा लिपि

7. "जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नांहि।
सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देखा मांहि।।"
उक्त साखी का भावार्थ है –
(1) अंधकार मिटाने के लिए प्रकाश आवश्यक है।
(2) अहंकार त्यागे बिना परमात्मा से मिलना संभव नहीं।
(3) परमात्मा ज्योतिस्वरूप है, उसकी प्राप्ति से पीड़ा जनित अंधकार मिट जाता है।
(4) परमात्मा हमारे अंदर ही है, उसे बाहर खोजने की आवश्यकता नहीं।

8. निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए –
(1) वे ईमानदार इंसान हैं।
(2) मजदूरों में रोष था, इसलिए उन्होंने घेराव किया।
(3) आपका उत्तर मुझसे अच्छा है।
(4) मेरे मित्रों को और मुझे क्रिकेट खेलने का शौक है।

9. किस वाक्य में संदिग्ध वर्तमान काल है?
(1) शायद वह जयपुर जाए।
(2) बच्चा आनंदपूर्वक सोता होगा।
(3) उसने गीत गाया होगा।
(4) वह घर जा चुका होगा।

10. 'पथिक! सँदेसो कहियो जाय।' पद में पथिक शब्द किसके लिए आया है?
(1) गोप के लिए
(2) अक्रूर के लिए
(3) मथुरा जाने वाले व्यक्ति के लिए
(4) उद्धव के लिए

11. "गुरु प्रसाद सूई कै नांकै, हस्ती आवै जाँही।" इस पंक्ति में कबीर का अभिप्राय है –
(1) गुरु कृपा से हाथी प्राप्त हो जाता है।
(2) गुरु कृपा से असंभव कार्य भी सहज संभव हो जाते हैं।
(3) गुरु कृपा से सुई से हाथी वश में आ जाता है।
(4) गुरु कृपा से सुई भी हाथी के समान महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

12. 'श्रद्धा–भक्ति' निबंध से संबंधित असंगत विचार है –
(1) प्रेम में घनत्व अधिक है और श्रद्धा में विस्तार।
(2) प्रेम का व्यापार स्थल विस्तृत है, श्रद्धा का एकांत।
(3) प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है, पर श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है।
(4) यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण है।



Scanned with CamScanner

13. निम्नलिखित में संदेहवाचक वाक्य है –
(1) क्या तुम मेरे साथ चलोगे?
(2) अगर तुमने परिश्रम किया होता तो सफल हो जाते।
(3) अध्यापक के साथ संभवतः छात्र भी आएँ।
(4) संभावना पहली कक्षा में पढ़ती है।

14. अत्यंत शब्द में उपसर्ग है –
(1) अति (2) अ (3) अत्य (4) अत्

15. प्रेमाख्यान काव्य परंपरा से संबंधित गलत तथ्य है –
(1) इस परंपरा के काव्य प्रबंधात्मक शैली में रचित हैं।
(2) इन काव्यों में प्रेम को जीवन का सर्वोपरि तत्त्व माना गया है।
(3) इनके पात्र मुख्यतः दो श्रेणियों – मानवीय और मानवेतर – के हैं।
(4) सभी प्रेमाख्यान मुस्लिम कवियों द्वारा रचित हैं।

16. निम्नलिखित में क्रियाविशेषण उपवाक्य नहीं है –
(1) जितनी दूर यह रहेगा, उतनी ही कार्यसिद्धि होगी।
(2) यात्रा में जहाँ पहले दिन लगते थे, वहाँ अब घंटे लगते हैं।
(3) छात्र नहीं आएँगे, अध्यापक जानता था।
(4) जब बिजली चली गई, सभा विसर्जित हो गई।

17. किस विकल्प के सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं?
(1) ईप्सा, स्पृहा, वांछा (2) निलय, सदन, निकेतन
(3) तोय, तड़ाग, आपगा (4) कोविद, सुधी, बुध

18. संवृत स्वर हैं –
(1) ओ, औ (2) उ, ऊ (3) अ, आ (4) ए, ऐ

19. राहुल सांकृत्यायन के अनुसार पहले सिद्ध कवि जिन्होंने चर्यागीतों और दोहाकोश की रचना की –
(1) सरहपा (2) लुइपा (3) कण्हपा (4) शबरपा

20. निम्नलिखित में से कौनसा कथन आचार्य रामचंद्र शुक्ल के विचारों के विपरीत है?
(1) घनानंद की अधिकांश कविता भक्ति भाव की कोटि में नहीं आएगी, श्रृंगार की ही कही जाएगी।
(2) आलम रीतिबद्ध रचनाएं भी करते थे।
(3) 'लोगन कवित्त, कीबो खेल करि जानो है।' यह कहकर ठाकुर कवियों को चेतावनी दे रहे हैं कि कवि कर्म कठिन काम है।
(4) 'विरह वारीश' और 'इश्कनामा' बोधा की रचनाएं हैं।

21. भूषण द्वारा रचित 'शिवराज भूषण' काव्य का मुख्य विषय है –
(1) राष्ट्रीय भावना (2) अलंकार
(3) प्रकृति चित्रण (4) छत्रसाल की वीरता

22. सूबेदार हजारासिंह जर्मन अफसर को अपना लपटन साहब क्यों समझ बैठा?
(1) वह साफ–सुथरी पंजाबी बोल रहा था। (2) उसने लपटन साहब की वर्दी पहन रखी थी।
(3) सरदारों की–सी दाढ़ी के कारण। (4) उसका व्यवहार अत्यंत अपनत्वपूर्ण था।

23. 'वज्र सा कुछ टूटकर स्मृति से गिरा, दब गये कौन्तेय दुर्वह भार से।' कुरुक्षेत्र के अनुसार वज्र सा गिरने पर स्मृति हो आई –
(1) युधिष्ठिर की द्यूत क्रीड़ा की (2) आकाशीय बिजली गिरने की
(3) शरशैया पर लेटे भीष्म पितामह की (4) अभिमन्यु के अन्यायपूर्ण वध की



Scanned with CamScanner

24. "आली री म्हारे णेणाँ बाण पड़ी।
मीरा गिरधर हाथ बिकाणी, लोग कह्याँ बिगड़ी।।"
इस पद के अनुसार मीराँ के नेत्रों को कौनसी आदत पड़ गई है?

(1) सदैव बंद रहने की
(2) कृष्ण आगमन का पथ निहारने की
(3) दिन–रात आँसू बहाने की
(4) अहर्निश जागने की

25. प्रेरणार्थक क्रिया के संबंध में कौनसा गलत कथन है?

(1) मूल धातु के अंत में 'आ' जोड़ने से पहली प्रेरणार्थक क्रिया और 'वा' जोड़ने से दूसरी प्रेरणार्थक क्रिया बनती है।
(2) अधिकतर धातुओं से दो–दो प्रकार की प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनती हैं।
(3) मूल धातु के जिस विकृत रूप से क्रिया के व्यापार में कर्ता पर किसी की प्रेरणा समझी जाती है, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
(4) सभी प्रेरणार्थक क्रियाएँ अकर्मक होती हैं।

26. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य का उदाहरण कौनसा है?

(1) राम से आम खाया नहीं जाता।
(2) आम खाया जाता है।
(3) राम आम खाएगा।
(4) मैंने पुस्तक पढ़ी।

27. निम्नलिखित में से 'विग्रह' शब्द का अर्थ नहीं है –

(1) कलह
(2) शरीर
(3) विचार
(4) विस्तार

28. 'यदि तुम परिश्रम करोगे तो तुम्हें परीक्षा में सफलता मिलेगी।' वाक्य का प्रकार है –

(1) विस्मयवाचक
(2) संकेतवाचक
(3) इच्छावाचक
(4) विधानवाचक

29. किस विकल्प में गुणवाचक विशेषण नहीं हैं?

(1) उचित, शांत, सीधा
(2) काला, बुरा, दुष्ट
(3) सब, यथेष्ट, समूचा
(4) पिछला, वर्तमान, नया

30. 'जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष बलक्ष है।' बलक्ष से आशय है –

(1) वलयाकार
(2) वैभवशाली
(3) बलशाली
(4) चमकीला

31. रामचरित मानस के बालकाण्ड में वक्ता–श्रोता के रूप में किसका उल्लेख नहीं है?

(1) याज्ञवल्क्य – भरद्वाज
(2) शिव – काकभुशुण्डि
(3) याज्ञवल्क्य – विश्वामित्र
(4) काकभुशुण्डि – याज्ञवल्क्य

32. किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं?

(1) उषा, वाल्मीकि
(2) कुमुदनी, आशीर्वाद
(3) ऐच्छिक, रात्री
(4) उष्मा, प्रतीक्षा

33. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) हरिगीतिका – प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ
(2) चौपाई – मात्रिक सम छंद
(3) द्रुतविलंबित – वर्णिक समवृत्त छंद
(4) कवित्त – प्रत्येक चरण में 32 वर्ण

34. किस विकल्प में सभी शब्द भाववाचक संज्ञा हैं?

(1) गहरा, उष्णता, अनुचित
(2) मिठास, सत्य, पालतू
(3) आकार, वर्तमान, समान
(4) समझ, बुढ़ापा, चतुराई

35. 'पिय बिछुरन को दुसह दुख, हरषु जात प्यौसार' पंक्ति की समानता निम्नलिखित में किससे की गई है?

(1) दुर्योधन की भांति प्राण त्यागते समय की दशा से
(2) सीता हरण के पश्चात् राम की दशा से
(3) युद्ध स्थल में खड़े अर्जुन की दशा से
(4) द्रौपदी के चीरहरण पर उसकी विह्वल दशा से

2033508



Scanned with CamScanner

36. 'राम की शक्ति पूजा' कविता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के किस काव्य संग्रह में संकलित है?

(1) तुलसीदास (2) गीतिका (3) अनामिका (4) परिमल

37. वचन के संबंध में कौनसा विवरण सही नहीं है?

(1) इसके कारण विकारी शब्दों में रूपांतरण होता है।

(2) वाक्य में वचन की पहचान केवल क्रियाओं द्वारा होती है।

(3) कुछ संज्ञा शब्द सदैव एकवचन और कुछ सदैव बहुवचन होते हैं।

(4) अधिकतर संज्ञा शब्द एकवचन से बहुवचन के रूप में परिवर्तित होते हैं।

38. 'कविता सविता से अच्छा गाती है', वाक्य में कौनसा कारक है?

(1) करण कारक (2) संबंध कारक

(3) संप्रदान कारक (4) अपादान कारक

39. रचनाकारों और रचनाओं को सुमेलित कीजिए –

| रचनाकार | रचनाएं |
|---|---|
| (अ) अशोक वाजपेयी | (i) रात अब भी मौजूद है |
| (ब) लीलाधर जगूड़ी | (ii) पहाड़ पर लालटेन |
| (स) मंगलेश डबराल | (iii) सुरत निरत |
| (द) ऋतुराज | (iv) समय के पास समय है |

विकल्प –

(1) (अ)–iv, (ब)–i, (स)–ii, (द)–iii (2) (अ)–ii, (ब)–i, (स)–iv, (द)–iii

(3) (अ)–iv, (ब)–ii, (स)–i, (द)–iii (4) (अ)–ii, (ब)–iv, (स)–iii, (द)–i

40. "भनिति मोरि सब गुनरहित, बिस्वबिदित गुन एक।
सो बिचारि सुनिहहिं सुमति, जिन्हकें बिमल बिबेक।।"

उक्त पद्यांश में तुलसीदास ने किस गुण की ओर संकेत किया है?

(1) रोचक कथा तत्व (2) संस्कृत के स्थान पर लोकभाषा अवधी का प्रयोग

(3) प्रभु का चरित्र (4) पाठकों की काव्य रुचि

41. रामानंद के शिष्यों में सम्मिलित नहीं है –

(1) पीपा (2) धन्ना (3) मलूकदास (4) सेना

42. 'लहरों के राजहंस' नाटक का पात्र निम्नलिखित में से कौन नहीं है?

(1) मैत्रेयी (2) शशांक (3) नन्द (4) नीहारिका

43. किस वाक्य में संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(1) नौकर मालिक के पास रहता है। (2) धन के बिना किसी का काम नहीं चलता।

(3) गाड़ी समय से पहले आई। (4) यह काम पहले करना चाहिए।

44. "भगत देख्याँ राजी ह्ययाँ, जगत देख्याँ रूयाँ।
असुवाँ जल सींच सींच प्रेम बेल बूयाँ।"

उक्त पद्यांश से संबंधित पद के अनुसार मीराँ के रुदन के पीछे कौनसा कारण नहीं है?

(1) आश्रयहीनता (2) संसार की दुर्दशा

(3) बंधु–बांधवों का विरोध (4) परिवार वालों के अत्याचार

45. 'भक्तमाल' के रचयिता थे –

(1) रामानन्द (2) नाभादास

(3) कृष्ण पयहारी (4) अनंतानंद



Scanned with CamScanner

निर्देश : प्र.सं. 46 - 48 के उत्तर अपठित गद्यांश के आधार पर दीजिए –

भूमि, जन और जन की संस्कृति को राष्ट्र कहते हैं। प्रत्येक नागरिक पर राष्ट्र के प्रति तीन प्रकार के ऋण हैं – देव ऋण, पितृ ऋण तथा ऋषि ऋण। प्रत्येक नागरिक को अपने–अपने ऋणों को चुकाकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना चाहिए। राष्ट्र हमारा पालन–पोषण एवं संवर्द्धन करता है, अतः उसे माता के समान माना गया है। हमें राष्ट्र को माँ के समान सम्मान देना चाहिए। राष्ट्र की प्रगति और सुख–समृद्धि में प्रत्येक नागरिक की साझेदारी हो, ऐसा प्रयास करना ही राष्ट्र वंदना है, राष्ट्र पूजा है। यही उसके राष्ट्र प्रेम, देश भक्ति तथा मातृभूमि के प्रति सर्वस्व समर्पण की भावना को प्रकट करता है। राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका निर्णायक सिद्ध होगी। हमें करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए। कर वंचक राष्ट्र की आर्थिक दशा को खोखला करते हैं।

**46.** तीनों ऋण चुकाने के उपरांत के लिए क्या अपेक्षित है?

(1) लोकोपयोगी परंपराओं के प्रसार का दायित्व।

(2) दुष्प्रवृत्तियों को दूर करते हुए सत्प्रवृत्तियों को बलिष्ठ बनाने का दायित्व।

(3) राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन।

(4) जीवन के चतुर्थ काल में मायामोह त्यागकर संन्यास ग्रहण करना।

**47.** राष्ट्र के आर्थिक खोखलेपन को किस प्रकार दूर किया जा सकता है?

(1) तीव्र औद्योगिक विकास द्वारा (2) बेरोजगारी मिटाकर

(3) समुन्नत कृषि द्वारा (4) करों का भुगतान करके

**48.** राष्ट्र के प्रति प्रेम और भक्ति भाव प्रदर्शित करने वाले विभिन्न घटकों में से किसका उल्लेख उक्त अवतरण में नहीं हुआ है?

(1) राष्ट्र की प्रगति में साझेदारी (2) राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन

(3) मातृभूमि के प्रति सम्मान (4) राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर प्रश्न संख्या 49 से 50 तक के उत्तर दीजिए –

"ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में,
मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है।
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य से,
उद्यम से श्रमजल से।

**49.** पद्यांश के आधार पर असंगत कथन बताइये –

(1) जन्म से पूर्व ही प्रकृति मनुष्य के भाग्य में सब कुछ लिख देती है।

(2) श्रम से प्रकृति पर विजय प्राप्त कर इच्छानुसार फल प्राप्ति हो सकती है।

(3) मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है।

(4) भाग्यवादी मानते हैं कि ईश्वर ही भाग्य का निर्माता है।

**50.** "ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में, मनुज नहीं लाया है" – पंक्ति का आशय है –

(1) ईश्वर ही प्रकृति है जो मनुष्य के भाग्य को लिखती है।

(2) कर्म की अपेक्षा भाग्य श्रेष्ठ है।

(3) मनुष्य अपना भाग्य अपने सुख से प्राप्त करता है।

(4) मनुष्य भाग्य से नहीं अपितु कर्म से इच्छित फल प्राप्त करता है।

**1.** इनमें से कौनसा शब्द विदेशी है?

(1) तदभव (2) जंघा

(3) शाप (4) पपीता



Scanned with CamScanner

52. कहानीकारों और कहानियों को सुमेलित कीजिए –

| कहानीकार | कहानी |
|---|---|
| (अ) मणिका मोहिनी | (i) पत्थर गली |
| (ब) नासिरा शर्मा | (ii) ढाई आखर प्रेम का |
| (स) चित्रा मुद्‌गल | (iii) उसका यौवन |
| (द) ममता कालिया | (iv) अपनी वापसी |

विकल्प –

(1) (अ)–ii, (ब)–i, (स)–iv, (द)–iii
(2) (अ)–iii, (ब)–ii, (स)–i, (द)–iv
(3) (अ)–iv, (ब)–iii, (स)–ii, (द)–i
(4) (अ)–ii, (ब)–iv, (स)–iii, (द)–i

53. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए –

| रचनाएं | रचनाकार |
|---|---|
| (क) आपका बंटी | (i) मैत्रेयी पुष्पा |
| (ख) अन्या से अनन्या | (ii) चित्रा मुद्‌गल |
| (ग) आवां | (iii) प्रभा खेतान |
| (घ) इदन्नमम् | (iv) मन्नू भण्डारी |

सही विकल्प है –

(1) (क)–iii, (ख)–ii, (ग)–i, (घ)–iv
(2) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–ii, (घ)–iii
(3) (क)–iv, (ख)–iii, (ग)–ii, (घ)–i
(4) (क)–ii, (ख)–i, (ग)–iv, (घ)–iii

54. किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का अर्थभेद सुमेलित नहीं है?

(1) अलि – अली = सखी – भौंरा
(2) व्रण – वर्ण = घाव – रंग
(3) मल – मल्ल = गंदगी – पहलवान
(4) वस्तु – वास्तु = पदार्थ – भवन

55. किस विकल्प में विलोम शब्द–युग्म नहीं है?

(1) सदाशय – महाशय
(2) परुष – कोमल
(3) बर्बर – सभ्य
(4) उद्धत – विनीत

56. विधानवाचक वाक्य का उदाहरण है –

(1) ठंडी हवा चल रही है।
(2) क्या वे त्यागपत्र देंगे?
(3) वहाँ मत जाओ।
(4) शिकारी ने कबूतर को नहीं देखा।

57. किस विकल्प में विराम चिह्न का नाम और उसका चिह्न सुमेलित नहीं हैं?

(1) त्रुटिपूरक पद या हंसपद = ...
(2) पूर्ण विराम = ।
(3) अर्द्ध विराम = ;
(4) निर्देशक चिह्न = –

58. सूर के भ्रमरगीत की विशेषता निम्नलिखित में से कौनसी नहीं है?

(1) उक्ति वैचित्र्य एवं वाग्विदग्धता की प्रधानता
(2) गोपियों की विरह वेदना
(3) उद्धव का उपहास
(4) प्रकृति के आलम्बन रूप की प्रधानता

59. 'कंगाली में आटा गीला', लोकोक्ति का अर्थ है –

(1) कष्ट में राहत।
(2) मुसीबत पर मुसीबत आना।
(3) धन की निरंतर कमी होना।
(4) थोड़ा–थोड़ा इकट्ठा करना।

60. 'पूर्वी हिंदी' का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ?

(1) केकय (2) मागधी (3) अर्धमागधी (4) शौरसेनी

61. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –

(1) उपलक्ष्य (2) मिष्ठान्न (3) सौजन्य (4) अन्तर्धान



Scanned with CamScanner

62. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के नाम से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए –

| रचनाकार | रचनाएं |
|---|---|
| (क) रघुवीर सहाय | (i) नाटक जारी है |
| (ख) धूमिल | (ii) गर्म हवाएं |
| (ग) लीलाधर जगूड़ी | (iii) संसद से सड़क तक |
| (घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना | (iv) कुछ पते कुछ चिट्ठियां |

सही विकल्प है –

(1) (क)–ii, (ख)–i, (ग)–iii, (घ)–iv
(2) (क)–iv, (ख)–ii, (ग)–i, (घ)–iii
(3) (क)–iii, (ख)–i, (ग)–ii, (घ)–iv
(4) (क)–iv, (ख)–iii, (ग)–i, (घ)–ii

63. भक्तिकालीन कृष्ण काव्य के संबंध में कौनसा विवरण गलत है?

(1) अष्टछाप के सभी कवि सूरदास के प्रभाव से पूर्णतः मुक्त हैं।
(2) अधिकांश कृष्ण काव्य गीतिपदों में लिखा गया है।
(3) पुष्टिमार्गीय कृष्ण काव्य में गोपाल कृष्ण की बाललीला को विशेष महत्त्व दिया गया है।
(4) इस काव्य की एक सामान्य प्रकृति है कि यह अधिकतर मुक्तक रूप में रचा गया है।

64. उपन्यास के विकास क्रम से संबंधित कौनसा कथन गलत है?

(1) भारतेंदु युग में सामाजिक, ऐतिहासिक, तिलस्मी–ऐयारी आदि उपन्यासों का सूत्रपात हुआ।
(2) प्रेमचंद ने हिंदी कथा साहित्य को मनोरंजन के स्तर से उठाकर जीवन के साथ सार्थक रूप से जोड़ने का काम किया।
(3) प्रेमचंद के उपरांत मनोविज्ञान, इतिहास, ग्रामांचल आधुनिकताबोध, प्रयोगशीलता आदि विविध पृष्ठभूमियों पर उपन्यास लिखे गए।
(4) प्रेमचंद से पूर्व हिंदी उपन्यास चरमोत्कर्ष को प्राप्त कर चुका था।

65. निम्नलिखित में गलत विवरण है –

(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों में सांस्कृतिक विरासत, नवीन जीवनबोध, उत्कट जिजीविषा और नई सामाजिक समस्याओं का चित्रण है।
(2) द्विवेदी युग में निबंध साहित्य की उपलब्धियां नगण्य हैं।
(3) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने वैचारिक निबंधों को चरमोत्कर्ष तक पहुंचाया।
(4) निबंधकार बालकृष्ण भट्ट और प्रतापनारायण मिश्र को आचार्य शुक्ल ने हिंदी का 'स्टील' और 'एडीसन' कहा है।

66. उपमा अलंकार के विषय में असंगत कथन है –

(1) उपमेय, उपमान, वाचक और साधारण धर्म इसके अंग हैं।
(2) उपमेय को 'प्रस्तुत विषय' भी कहते हैं।
(3) काव्य में चारों अंग स्पष्टतः विद्यमान होने पर ही उपमा अलंकार होता है, अन्यथा नहीं।
(4) उपमान का अन्य नाम 'अप्रस्तुत' है।

67. 'तुम धन्य हो! तुम्हें धिक्कार है!!' 'लोभ और प्रीति' निबंध में उक्त उद्‌गार का लक्ष्य है –

(1) लोभी (2) प्रेमी (3) योगी (4) आलसी

68. 'नर का बहाया रक्त, हे भगवान! मैंने क्या किया।' यह उद्‌गार किसका है?

(1) सत्य (2) दुर्योधन (3) युधिष्ठिर (4) भीष्म पितामह

69. आचार्य वामन के मतानुसार गुण विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) गुण काव्य का नित्य तत्त्व है।
(2) ये काव्य के शोभाकारक धर्म हैं।
(3) गुणों की कुल संख्या तीन है।
(4) अर्थ की स्पष्टता प्रसाद गुण है।



Scanned with CamScanner

70. "सनि–कज्जल चख–झख–लगन उपज्यौ सुदिन सनेहु।
क्यों न नृपति ह्वै भोगवै लहि सुदेसु सबु देहु।।"
उक्त दोहे के विषय में कौनसा तथ्य गलत है?
(1) श्लेष और रूपक अलंकार का सौंदर्य (2) कवि का ज्योतिष ज्ञान
(3) नायक का राजा के रूप में चित्रण (4) सखी का नायिका प्रति कथन

71. 'सु' उपसर्ग का उदाहरण है –
(1) सुनसान (2) सुंदर (3) सुलभ (4) सुर

72. 'तिमाही' में कौनसा समास है?
(1) कर्मधारय (2) तत्पुरुष (3) द्वन्द्व (4) द्विगु

73. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –
(1) योद्धा (2) पुनर्जन्म (3) अभ्यंतर (4) उलंघन

74. दन्तोष्ठ्य व्यंजन बताइए –
(1) व (2) प (3) थ (4) त

75. निम्नलिखित वाक्यों की शुद्धता पर विचार कीजिए –
(अ) अपनी कक्षा के सभी लड़कों का नाम बताओ।
(ब) महात्मा ने अपराधी को शाप दिया।
(स) मैंने फलवाला से फल खरीदे।
(द) आपसे निवेदन है।
(य) जो आना चाहते हैं, वह आ सकते हैं।
उक्त में से शुद्ध वाक्य हैं –
(1) (ब), (द) (2) (अ), (य) (3) (अ), (स) (4) (स), (य)

76. जायसी की देवनागरी लिपि के वर्णों पर आधारित काव्य रचना है –
(1) अखरावट (2) पद्मावत (3) आखरी कलाम (4) मधुमालती

77. तत्सम–तद्भव का कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) पक्ष – पंख (2) स्वामी – साईं (3) वत्स – बस्ती (4) राजा – राय

78. निम्नलिखित में गलत कथन है –
(1) अनुभाव द्वारा रसास्वादन की सूचना प्राप्त होती है।
(2) संचारी भाव स्थायी भावों के उपकारक होते हैं और उन्हें रस दशा तक पहुँचाते हैं।
(3) विभाव को रस का कार्य कहा जाता है।
(4) संचारी भाव रस की सिद्धि तक स्थिर नहीं रहते, अपितु उत्पन्न और विलीन होते रहते हैं।

79. रीतिकाल को श्रृंगार काल की संज्ञा देने वाले विद्वान हैं –
(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) नगेन्द्र
(3) भगीरथ मिश्र (4) मिश्र बन्धु

80. 'कामायनी' के काव्य शिल्प के विषय में गलत कथन है –
(1) यह आदिमानव की कथा तो है ही, पर इसके माध्यम से वर्तमान के महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर भी विचार किया गया है।
(2) यह अपने रूपकत्व में एक मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक मंतव्य को प्रकट करती है।
(3) इसकी कथावस्तु का मूलाधार पुराण हैं।
(4) सर्गों का नामकरण मनोविकारों के नाम पर हुआ है।

81. मानक हिंदी का आधार कौनसी बोली है?
(1) ब्रजभाषा (2) कन्नौजी (3) खड़ीबोली (4) अवधी

82. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –
(1) व्यावसायिक (2) वैयाकरण (3) सहानुभूति (4) अतिथी

2033508



Scanned with CamScanner

83. किस विकल्प में वाक्यांश और उसके लिए प्रयुक्त सार्थक शब्द असंगत हैं?

(1) आदि से अंत तक – आद्योपांत
(2) जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा हो – अजातशत्रु
(3) लौटकर आया हुआ – अभ्यागत
(4) जो बहुत कठिनाई से मिलता है – दुर्लभ

84. 'दाँतों तले अँगुली दबाना', मुहावरे का अर्थ है –

(1) दुखी हो जाना।
(2) दाँतों से अँगुली काटना।
(3) आश्चर्य चकित होना।
(4) प्रभाव जमाना।

85. ढक रहे थे उसका वपु कांत,
बन रहा था वह कोमल वर्म।
'वपु' का अर्थ है –

(1) कान
(2) वस्त्र
(3) मस्तिष्क
(4) देह

86. 'चिकने घड़े पर पानी नहीं ठहरता', लोकोक्ति का भावार्थ है –

(1) निर्लज्ज व्यक्ति पर किसी बात का असर नहीं होता।
(2) समझदार व्यक्ति पर बुरी संगति का असर नहीं होता।
(3) मूर्ख व्यक्ति बहुत समझाने पर भी नहीं समझता।
(4) बातें करने वाले लोग काम नहीं करते।

87. निम्नलिखित रचनाओं और रचनाकारों का सही युग्म नहीं है –

(1) परमाल रासो – जगनिक
(2) हम्मीर रासो – शाङ्र्गधर (शार्ङ्गधर)
(3) खुमाण रासो –जयदेव
(4) बीसल देव रासो – नरपति नाल्ह

88. रीतिकालीन साहित्य के विषय में असत्य कथन है –

(1) देव रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि हैं।
(2) घनानंद का प्रेम एकांगी है।
(3) भूषण के काव्य में अतिशयोक्ति है।
(4) मतिराम के काव्य में ऋतुवर्णन सर्वाधिक है।

89. खोयो मै घर में अवट, कायर जंबुक काम
सीहां केहा देसड़ा, जैथ रहै सो, धाम।
उक्त काव्यांश के संबंध में असंगत तथ्य है –

(1) कायरों की भर्त्सना
(2) अन्योक्ति अलंकार
(3) गीदड़ों द्वारा सिंहों को ललकारना
(4) सूक्ति शैली का प्रयोग

90. निम्नलिखित रचनाओं का उनकी विधाओं के साथ सुमेलित सही वर्ग है –

| रचना | विधा |
|---|---|
| (क) बाणभट्ट की आत्मकथा | (i) नाटक |
| (ख) आत्मजयी | (ii) उपन्यास |
| (ग) स्मृति की रेखाएं | (iii) काव्य संग्रह |
| (घ) आषाढ़ का एक दिन | (iv) संस्मरण |

सही विकल्प है –

(1) (क)–iv, (ख)–ii, (ग)–iii, (घ)–i
(2) (क)–iii, (ख)–i, (ग)–iv, (घ)–ii
(3) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–ii, (घ)–iii
(4) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–iv, (घ)–i

91. नाट्य साहित्य के विषय में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) भारतेंदु हरिशचंद्र ने पारसी थियेटर की आदर्शहीनता के विरुद्ध आदर्शवादी नाट्यकला के उत्थान का प्रयत्न किया।
(2) नाटक साहित्य की वह विधा है, जिसकी सफलता का परीक्षण रंगमंच पर होता है।
(3) प्रसाद के अधिकतर नाटक पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित हैं।
(4) लक्ष्मीनारायण मिश्र समस्या नाटककार के रूप में प्रतिष्ठित हैं।



Scanned with CamScanner

92. निम्नलिखित में गलत संधि विच्छेद है –

(1) जगद्गुरु – जगत + गुरु
(2) वार्तालाप – वार्ता + आलाप
(3) पित्रिच्छा – पितृ + इच्छा
(4) मतैक्य – मत + ऐक्य

93. 'रैण दिना वाके, संगि खेलूँ' और 'झिरमिट खेलन जाती', पंक्तियों से मीरा का कृष्ण के प्रति निम्नलिखित में से कौनसा भाव प्रकट होता है?

(1) दाम्पत्य भाव
(2) आराध्य भाव
(3) सख्य भाव
(4) दास्य भाव

94. किस लोकोक्ति का भावार्थ सही नहीं है?

(1) नेकी कर दरिया में डाल – भला करके भूल जाना चाहिए
(2) हथेली पर सरसों नहीं उगती – समय आने पर काम होता है, जल्दबाजी से नहीं
(3) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी – समस्या को जड़ से मिटाना
(4) होनहार बिरवान के होत चीकने पात – स्वस्थ पौधे के पत्ते चीकने होते हैं

95. "वास्तव में श्रृंगार और वीर इन्हीं दो रसों की कविता इस काल में हुई। प्रधानता श्रृंगार की ही रही। इससे इस काल को रस के विचार से कोई श्रृंगालकाल कहे, तो कह सकता है।" यह कथन किनका है?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) डॉ. नगेंद्र
(3) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4) आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

96. पदक्रम के संबंध में असंगत कथन निम्नलिखित में से कौनसा है?

(1) प्रश्नवाचक क्रिया विशेषण और सर्वनाम अवधारण के लिए मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया के बीच में भी आ सकते हैं।
(2) समानाधिकरण शब्द मुख्य शब्द के पहले आता है तथा पहले शब्द में विभक्ति का प्रयोग होता है।
(3) संबंधवाचक और उसके अनुसंबंधी सर्वनाम के कर्मादि कारक बहुधा वाक्य के आदि में आते हैं।
(4) अवधारण के लिए भेदक और भेद्य के बीच में संज्ञा, विशेषण और क्रिया विशेषण आ सकते हैं।

97. निम्नलिखित में गलत कथन है –

(1) आचार्य वामन ने रीति के तीन प्रकार माने हैं।
(2) मानव स्वभाव की तीन प्रवृत्तियाँ – कोमल, परुष और मध्यम – रीति विभाजन का आधार बनीं।
(3) माधुर्य गुण व्यंजक वर्ण, ललित पद और अल्प समासयुक्त रीति गौड़ी है।
(4) समास एवं वर्ण गुंफ रीतियों के विभाजन के बाह्य आधार माने गए।

98. 'गज–गैंडा धीर न धरै, वज्र पड़ै वघ–वाव', 'वीर सतसई' पद में वघ–वाव शब्द का अर्थ है –

(1) वन की वायु
(2) वज्र जैसा शस्त्र
(3) शत्रु पर प्रहार
(4) सिंह की गंध

99. 'फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है।' इसका भावार्थ है –

(1) फल के प्रति अधिक लगाव कर्म के प्रति उदासीनता पैदा करता है।
(2) अधिकाधिक फल की इच्छा कार्य में तीव्रता लाती है।
(3) निष्काम भाव से कर्म सौंदर्य बढ़ता है।
(4) अच्छे कर्मों से वांछित फल की प्राप्ति होती है।

100. 'इक–डंकी गिण ऐक–रो, भूले कुळ–साभाव्र', कवि किस एक शासक की बात कर रहा है?

(1) अकबर
(2) जयपुर नरेश
(3) अंग्रेज
(4) राजपूताना नरेश

101. सोरठा छंद है –

(1) मात्रिक विषम छंद
(2) मात्रिक अर्द्धसम छंद
(3) वर्णिक सम छंद
(4) वर्णिक अर्द्ध सम छंद

102. राणा हम्मीर ने राजा मालदेव से दहेज में क्या मांगा?

(1) कामदार मौजीराम
(2) अनेक दास–दासियां
(3) मगरा, गोडवाड आदि आठ जिले
(4) अपार धन–सम्पदा



Scanned with CamScanner

103. निम्नलिखित पात्रों को रचनाओं से सुमेलित कीजिए –

| पात्र | रचना |
|---|---|
| (क) लहनासिंह | (i) पूस की रात |
| (ख) दीवान | (ii) उसने कहा था |
| (ग) फगना | (iii) उजाले के मुसाहिब |
| (घ) हल्कू | (iv) पटाक्षेप नहीं होगा |

सही विकल्प है –

(1) (क)–ii, (ख)–iv, (ग)–iii, (घ)–i
(2) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–iii, (घ)–ii
(3) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–iv, (घ)–i
(4) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–i, (घ)–iv

104. "'कामायनी' उस अर्थ में कथा काव्य नहीं है, जिस अर्थ में 'साकेत' है। 'कामायनी' की कथा केवल एक 'फैण्टेसी है।" यह विचार किसका है?

(1) रामचंद्र शुक्ल
(2) जयशंकर प्रसाद
(3) गजानन माधव मुक्तिबोध
(4) नंददुलारे वाजपेयी

105. "मनु जाहिं राचेउ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर साँवरो।
करुना निधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो।।"
उक्त पद्यांश के अनुसार सीता जी को किसने आशीर्वाद दिया?

(1) मुनि विश्वामित्र ने
(2) राजा जनक के पुरोहित ने
(3) राजा जनक ने
(4) पार्वती जी ने

106. कौन से विकल्प में द्विगु समास के उदाहरण हैं?

(1) शीतोष्ण, इकतारा
(2) अमचूर, इकसठ
(3) घृतान्न, प्रेमसागर
(4) नीललोहित, इकतीस

107. पूर्वी हिंदी के अंतर्गत कौनसी बोली नहीं है?

(1) बघेली (2) छत्तीसगढ़ी (3) अवधी (4) बुंदेली

108. "जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार।", 'बार' का भावार्थ है –

(1) नमस्कार (2) विलम्ब (3) उपालम्भ (4) आवृत्ति

109. शुद्ध वाक्य बताइए –

(1) आप कब आ रहे हो।
(2) आप कब आ रहे हो?
(3) आप कब आ रहे हैं?
(4) आप कब आ रहे?

110. 'मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ। जा तन की झाँई परै स्यायु हरित दुति होई।' दोहे में 'हरित–दुति' पद का अर्थ नहीं है –

(1) हृतद्युति
(2) हरे रंग वाला
(3) प्रसन्न वदन
(4) कल्मषता

111. द्विवेदीयुगीन काव्यधारा के विषय में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) इस युग में प्रबंधात्मक रचनाओं का नितांत अभाव रहा।
(2) आचार्य शुक्ल ने इसे 'नई धारा (द्वितीय उत्थान)' नाम दिया।
(3) इस युग का कवि रूढ़िमुक्त होकर नए युग की संवेदनाओं को ग्रहण करना चाहता था।
(4) इस युग के कुछ कवियों ने ब्रजभाषा में भी काव्य रचना की है।

112. नाथ पन्थ के सन्दर्भ में उपयुक्त नहीं है –

(1) गुरु की महत्ता है।
(2) ईश्वर निराकार स्वरूप है।
(3) हठयोग अन्तः शुद्धि का साधन है।
(4) नाथ पंथ के प्रवर्तक मत्स्येन्द्रनाथ हैं।



Scanned with CamScanner

113. फगना आदि को लच्छीराम का प्रधान बनना क्यों गवारा नहीं था?

(1) लच्छीराम स्वयं प्रधान नहीं बनना चाहता था।

(2) वह अनपढ़ और बहुत भोला था।

(3) उन्हें आशंका थी कि वह रामसिंह के हाथ की कठपुतली बन जाएगा।

(4) वह अपनी जाति वालों से मन ही मन विद्वेष रखता था।

114. निम्नलिखित में से पुल्लिंग शब्द है –

(1) मृत्यु (2) निगम (3) संविदा (4) अग्नि

115. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है –

(1) घोड़ा चलता–चलता अड़ गया।

(2) इस कक्ष के भीतर प्रवेश करना निषेध है।

(3) अब वह गाँव से लौट चुका होगा।

(4) अब और स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता नहीं है।

116. जब लक्ष्यार्थ में वाच्यार्थ सम्मिलित रहता है। शब्द शक्ति होती है –

(1) लक्षण – लक्षणा (2) उपादान – लक्षणा

(3) प्रयोजनवती – लक्षणा (4) रूढ़ि – लक्षणा

117. शब्द–शक्ति के संबंध में असंगत कथन कौनसा है?

(1) जब व्यंजना शब्द और अर्थ दोनों में हो तब आर्थी व्यंजना होती है।

(2) जब लक्ष्यार्थ मे वाच्यार्थ सम्मिलित नहीं होता, तब लक्षण–लक्षणा शब्द शक्ति होती है।

(3) जब व्यंजन शब्द में हो तथा शब्द बदल देने से व्यंग्यार्थ नष्ट हो जाए तब शाब्दी व्यंजना होती है।

(4) जब वाच्यार्थ सर्वथा परित्यक्त नहीं होता, तब उपादान लक्षणा होती है।

118. "तबहिं उपँगसुत आय गए।
सखा सखा कछु अंतर नाहीं भरि भरि अंक लए।"
यहां 'उपँगसुत' से आशय है –

(1) बलराम (2) सुदामा (3) कृष्ण (4) उद्धव

119. 'उजाले के मुसाहिब', कहानी का मूल कथ्य है –

(1) राजा की अयोग्यता का चित्रण (2) राजा द्वारा प्रजा के शोषण पर व्यंग्य

(3) सामन्ती जीवन में भ्रष्टाचार का चित्रण (4) सामन्तों की चाटुकारिता पर व्यंग्य

120. निम्नलिखित में से असंगत कथन कौनसा है?

(1) जहाँ कोई विशेष शब्द, पद, वाक्य–खंड इत्यादि उद्धृत किए जाएँ वहाँ दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।

(2) जहाँ अपने से छोटों के प्रति शुभकामनाएं और सद्भावनाएं प्रकट की जाएँ, वहां विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग होता है।

(3) महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, संधि आदि को उद्धृत करने में दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।

(4) जहाँ स्थिति निश्चित न हो, वहाँ प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होता है।

121. शब्द और उसमें प्रयुक्त प्रत्यय की दृष्टि से सुसंगत विकल्प है –

(1) दयालु – लु (2) माननीय – ईय (3) भाषण – अन (4) विदित – इत

122. प्रारंभ में 'पिंगल' नाम किस बोली के लिए प्रयुक्त होता था?

(1) खड़ीबोली (2) ब्रजभाषा (3) मारवाड़ी (4) अवधी

123. 'शुक्लजी ने प्रथम बार हिंदी साहित्य के इतिहास को कविवृत्तसंग्रह की पिटारी से बाहर निकाला।' उक्त कथन किसका है?

(1) डॉ. नगेंद्र (2) नंददुलारे वाजपेयी

(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र



Scanned with CamScanner

124. स्थायी भाव नहीं है –
(1) स्वेद (2) रति (3) शोक (4) क्रोध

125. "अभिप्राय यही है कि देवी यशोधरा का आकर्षण यदि राजकुमार सिद्धार्थ को बांधकर अपने पास रख सकता, तो क्या वे आज राजकुमार सिद्धार्थ ही न होते?" लहरों के राजहंस का यह संवाद है –
(1) श्यामांग का श्वेतांग के प्रति (2) सुंदरी का नंद के प्रति
(3) अलका का सुंदरी के प्रति (4) सुंदरी का अलका के प्रति

126. विभावना अलंकार होता है –
(1) कारण के बिना कार्य हो जाए। (2) कारण के होने पर भी कार्य न हो।
(3) जब कारण कहीं और कार्य कहीं और हो। (4) कारण के साथ कार्य हो जाए।

127. निम्नलिखित में गलत कथन है –
(1) 'स्थूलिभद्ररास' के रचनाकार जिनधर्मसूरि माने जाते हैं।
(2) 'श्रावकाचार' की रचना जैन आचार्य देवसेन ने की थी।
(3) मुनि जिनविजय ने 'भरतेश्वर–बाहुबलीरास' को जैन साहित्य की रास परंपरा का प्रथम ग्रंथ माना है।
(4) 'चंदनबालारास' एक महाकाव्य है।

128. कौनसा विवरण सही नहीं है?
(1) 'राउलवेल' में नायिका का नख–शिख वर्णन है।
(2) 'वसंतविलास' में वीर रस की तीव्र धारा प्रवाहित है।
(3) 'उक्तिव्यक्ति प्रकरण' एक व्याकरण ग्रंथ है।
(4) 'वर्णरत्नाकर' मैथिली में रचित गद्य रचना है।

129. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं हैं?
(1) रेखाएं बोल उठीं – देवेंद्र सत्यार्थी (2) जो न भूल सका – कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
(3) हमारे आराध्य – बनारसीदास चतुर्वेदी (4) माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी

130. आधुनिक काल को तीन चरणों में विभक्त करके उन्हें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय उत्थान किसने कहा है?
(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (2) डॉ. नगेंद्र
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) डॉ. विजयेन्द्र स्नातक

131. मौखिक अभिव्यक्ति के मूल्यांकन हेतु कौनसी गतिविधि उपयुक्त नहीं है?
(1) परिचर्चा (2) वाद–विवाद
(3) उत्सवों के अवसर पर भाषण (4) लेखन कार्य

132. निम्नांकित में से कहानी शिक्षण का उद्देश्य है –
(1) बोध, कल्पना एवं तर्कशक्ति का विकास करना। (2) भाषा के सौंदर्य की समझ विकसित करना।
(3) छंद, अलंकार एवं शब्दशक्ति का विकास करना। (4) उचित यति, गति एवं लय का विकास करना।

133. ट, ठ, ष का उच्चारण स्थल है –
(1) वर्त्स (2) मूर्द्धा (3) ओष्ठ (4) कण्ठ

134. एक बालक जिसकी शिक्षा लब्धि 85 से कम है, उसके सीखने संबंधी कठिनाइयों का ज्ञान प्राप्त करने की क्रिया को क्या कहा जाता है?
(1) निदानात्मक व उपचारात्मक शिक्षण (2) उपचारात्मक शिक्षण
(3) निदानात्मक शिक्षण (4) सम्प्राप्ति शिक्षण

135. ऋ का उच्चारण स्थान है –
(1) तालु (2) कंठ (3) मूर्धा (4) दन्त्य

136. भाषा शिक्षण का सिद्धांत नहीं है –
(1) वैयक्तिक विभिन्नता सिद्धांत (2) स्वाध्याय विधि का सिद्धांत
(3) स्वाभाविक विधि के अनुसरण का सिद्धांत (4) रोचकता सिद्धांत



Scanned with CamScanner

137. नाद सौंदर्य, भाव-सौंदर्य एवं विचार सौंदर्य का अभ्यास कराया जाता है –

(1) व्याकरण शिक्षण में
(2) गद्य शिक्षण में
(3) पद्य शिक्षण में
(4) नाटक शिक्षण में

138. अनुभूति प्रधान पाठ किसे कहा जाता है?

(1) प्रायोगिक पाठों को
(2) कौशल पाठों को
(3) साहित्यिक पाठों को
(4) सूचना प्रधान पाठों को

139. अपने विचारों को सदियों तक सुरक्षित रखने हेतु निम्न में से किसकी आवश्यकता है?

(1) लिखित अभिव्यक्ति
(2) मौखिक अभिव्यक्ति
(3) वाचन अभिव्यक्ति
(4) श्रवण अभिव्यक्ति

140. हरबर्ट के पंच पदीय पाठ योजना का तार्किक क्रम है –

(1) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → सामान्यीकरण → तुलना → प्रयोग
(2) प्रस्तुतीकरण → प्रस्तावना → तुलना → सामान्यीकरण → प्रयोग
(3) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → तुलना → प्रयोग → सामान्यीकरण
(4) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → तुलना → सामान्यीकरण → प्रयोग

141. "करम गति टारे हुँ नाहि टरै।" को एक शिक्षक अन्तर्कथा के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुत कर रहा है, वह शिक्षक पद्य शिक्षण की किस विधि से अध्यापन कार्य कर रहा है?

(1) समीक्षा विधि (2) समभाषा विधि (3) भाव तुलना विधि (4) व्याख्या विधि

142. "हमारे विद्यालय में, ऐसे छात्र पाए जाते हैं जो दोषरहित हैं परंतु उन्हें अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए सहायता की आवश्यकता है।" किसने कहा?

(1) ब्लायर (2) बी.एफ. स्किनर (3) जॉन डीवी (4) थॉर्नडाईक

143. आजकल वर्तनी संबंधी अशुद्धियां माध्यमिक स्तर तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर काफी पाई जा रही है, जिनका कारण नहीं है –

(1) व्याकरण की अनभिज्ञता
(2) लेखन का प्रचुर अभ्यास
(3) उच्चारण की अशुद्धता
(4) लिपि के उचित ज्ञान का अभाव

144. भाषा किस प्रकार का विषय है?

(1) ज्ञान प्रधान (2) क्रियात्मकता प्रधान (3) सूचनात्मकता प्रधान (4) तथ्यात्मकता प्रधान

145. वस्तुनिष्ठ प्रश्न का प्रकार नहीं है –

(1) लघुत्तरात्मक प्रश्न
(2) सत्य/असत्य प्रश्न
(3) युगलीकरण प्रश्न
(4) बहुविकल्प प्रश्न

146. रंगमंच प्रणाली का दूसरा रूप है –

(1) संवाद प्रणाली (2) व्याख्या प्रणाली (3) संयुक्त प्रणाली (4) कक्षाभिनय प्रणाली

147. किसी शिक्षक के कक्षा में अध्यापनार्थ प्रवेश के बाद का पाठ कहलाता है –

(1) पाठ संयोजन भाग
(2) पाठ प्रस्तुति पूर्वभाग
(3) पाठ प्रस्तुतिकरण भाग
(4) संकलन भाग

148. चित्र विस्तारक यंत्र है –

(1) चित्रात्मक (2) श्रव्य (3) दृश्य (4) श्रव्य तथा दृश्य

149. आगमन प्रणाली का रूप है –

(1) प्रयोग प्रणाली
(2) पाठ्य-पुस्तक प्रणाली
(3) सूत्र प्रणाली
(4) समानान्तर प्रणाली

150. इकाई विधि के प्रवर्तक हैं –

(1) हण्ट (2) किलपैट्रिक (3) जॉन डीवी (4) एच. सी. मॉरीसन

-----------------------------------------

02-ℋ



Scanned with CamScanner

JOB का पिटारा
सरकारी नौकरी की जानकारी सबसे पहले...

राजस्थान का नं. 1 Educational News Portal

jobkapitara.com के माध्यम से आपको नौकरी, शिक्षा और योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है जैसे वर्तमान में चल रही योजना/भर्तियां, आने वाली भर्तियां, प्रवेश पत्र, परीक्षा तिथि, उत्तर कुंजी, रिजल्ट, अध्ययन सामग्री इत्यादि।

Join Channel

WhatsApp

लेटेस्ट अपडेट/अलर्ट पाने के लिये आइकन पर क्लिक करें

/jobkapitara

@jobkapitara

@jobkapitara

Job Ka Pitara

सोशल मिडिया प्लेटफ़ॉर्म पर फॉलो करने के लिए आइकन पर क्लिक करें

Visit www.jobkapitara.com